News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

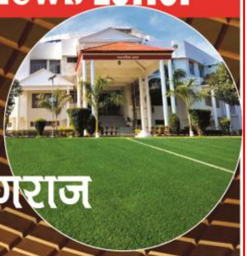

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

प्रोफेसर सीमा सिंह
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
फोन नंबर ऑफिस: 0532 -2447028
फैक्स : 2447032

डॉ.अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विद्यालय, प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 752 5048 0 31

श्री अजय कुमार सिंह
वित्त अधिकारी
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48006

श्री डी पी सिंह
परीक्षा नियंत्रक
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48009

इं. सुखराम मथुरिया
उप कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48023

कुलपति की कलम से

मानव को ज्ञानवान, सामर्थ्यवान तथा विवेकवान बनने और बनाने का एकमात्र साधन व माध्यम शिक्षा है। आइये हम सब शिक्षित और दीक्षित हों। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, आयु, स्थान, समय तथा रोजगार आदि के बन्धनों से मुक्त गुणवत्तापरक एवं लचीली उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आपका स्वागत है। शिक्षार्थ आईये सेवार्थ जाइये। समसामयिक समस्याओं, सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र उत्थान में भी यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है। यह नवाचारों के प्रति भी सहज और सजग है। To be a Virtual University के विजन, जीवन पर्यन्त रोजगार, कौशल विकास तथा मानव निर्माण की शिक्षा प्रदान करने के मिशन तथा ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहां'' जैसे सूत्र वाक्य के साथ यह विश्वविद्यालय वर्ष 1999 से समाज की शिक्षा सेवा में तत्पर है। भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के नाम पर तीर्थराज प्रयाग में अवस्थित ग्रीन एवं क्लीन मुख्यालय के तीन परिसरों के साथ यह विश्वविद्यालय उ०प्र० राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित वर्तमान के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा 1100 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम तथा समर्पित प्राध्यापकों व सहकर्मियों की सहायता से शिक्षार्थी समीपस्थ तथा अधिगम केन्द्रित उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय जन सामान्य चाहे महिला हो या ग्रामीण को सजग व जागरूक बनाने की गतिविधियाँ भी आयोजित व संचालित करता है। मुक्त चिंतन का प्रकाशन भी विश्वविद्यालय का इसी दिशा में एक प्रयास है। इस कार्य हेतु मैं श्री इन्दुभूषण पाण्डेय जी एवं अन्य सहयोगियों को साधुवाद देती हूँ तथा इसके सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ। भारत उत्थान को समर्पित सभी पूर्वजों को नमन करते हुए मैं आशा करती हूँ कि यह विश्वविद्यालय देश, प्रदेश और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने में अवश्य सफल होगा।

जय हिन्द !

Seema.
प्रो० सीमा सिंह
कुलपति

मुविवि में राजर्षि टंडन की जन्म तिथि पर आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के जन्म दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो0 संजय सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा श्रद्धा सुमन अर्पित करते मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे - प्रो0 सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि टंडन जी सेवा भावी थे। अपनी वाणी से और अपने जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया।

राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे। उनमें भारतीय आदर्शों के प्रति अत्यंत आदर था। सिद्धांत के पक्के थे। स्वभाव के संत, विचार के उच्च और कार्य के धनी राजर्षि टंडन का जीवन एकांगी नहीं था।

दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था राजर्षि टंडन का जीवन-प्रोफेसर संजय सिंह

राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राजर्षि टंडन जी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए टंडन जी ने शुचिता बनाए रखी। टंडन जी राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दु:ख- सुख का उन्हें बेहद ख्याल रहता था। प्रो0 सिंह ने कहा कि हमें अपने महापुरुषों को याद करते रहना चाहिए।

सामाजिक समरसता में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी- प्रोफेसर संजय सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर सेमिनार का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, **प्रयागराज में रविवार को नई शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष में उच्च शिक्षा में भविष्य के उपागम पर सेमिनार का आयोजन किया गया।सेमिनार के मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय** विश्वविद्यालय, **लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह** जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। विषय प्रवर्तन शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। मुख्य अतिथि प्रो0 संजय सिंह जी का स्वागत एवं धन्यवाद कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ सीके सिंह, डॉ सुरेंद्र कुमार एवं डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी- प्रोफेसर संजय सिंह

सेमिनार के मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो0 संजय सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता एवं सहयोग में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी है। यह सिर्फ शिक्षा ही नहीं वरन छात्रों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक है। प्रो0 सिंह ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुविषयक पाठ्यक्रम एवं शोध के क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों को तैयार होना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का यह दायित्व है कि वह अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नीतिगत क्रियान्वयन करें तथा इसके लिए विद्यार्थियों को भी जागरूक करना होगा।

मुख्य अतिथि प्रो0 संजय सिंह

उन्होंने नवागंतुक शिक्षकों को संदेश दिया कि वह सिर्फ आंकड़ों पर ही नहीं बल्कि अकादमिक गुणवत्ता पर भी ध्यान दें शिक्षकों को हमेशा सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। नई शिक्षा नीति छात्रों, शिक्षकों एवं देश के विकास में सकारात्मक तथा प्रभावकारी सिद्ध होगी।

बीबीएयू के कुलपति प्रो0 सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध कार्य प्रारंभ होने पर कुलपति प्रो0 सीमा सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शोध से निश्चय ही समाज और देश के विकास में नवीन आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने शिक्षकों एवं शोध छात्रों का आह्वान किया कि वह निष्ठा पूर्वक शोध कार्य करें तथा शोध पत्रों का प्रकाशन करते रहें।

प्रो0सिंह ने कहा कि कोरोना काल में शिक्षा की उपयोगिता सिद्ध हुई है और पारंपरिक शिक्षण संस्थानों ने भी ऑनलाइन एजुकेशन को प्रभावी विकल्प के रूप में अपनाया है।

नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी - प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

माननीय कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षायें प्रारम्भ

कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

बन्दी सुधार गृह नैनी में स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 123 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा दे रहे थे। विश्वविद्यालय में पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया। नैनी जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाओं का मंगलवार को आगाज हो गया। पहले दिन नैनी सेंट्रल जेल समेत प्रदेश के 123 केंद्रों पर आफलाइन मोड में परीक्षा आयोजित की गई। खुद कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह नैनी जेल परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंच गई। हालांकि, कहीं पर किसी तरह की समस्या नहीं आई।

बन्दी सुधार गृह नैनी में स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

03	अगस्त से विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू	14	तक आफलाइन मोड में केंद्रों पर होगी परीक्षा
48	हजार शिक्षार्थियों ने पहले दिन दी परीक्षा	80	हजार छात्र अलग-अलग दिनों में होंगे शामिल
01	में अधिकतम तीन प्रश्नपत्रों को ही किया गया है समाहित	60	प्रश्नों का एक प्रश्नपत्र तैयार किया गया है
1:30	घंटे में पूछे जाएंगे बहुविकल्पीय सवाल	24	कैदियों ने पहले दिन दर्ज कराई अपनी सहभागिता

निरीक्षण टीम में ये थे शामिल

विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटोकाल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डीपी सिंह, बीपी सागर, डा. अरुण कुमार गुप्ता, डा. ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डा. सतीश जैसल, इंदुभूषण पांडेय आदि उपस्थित रहे।

जेल में 24 कैदियों ने दी परीक्षा

सत्र 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 123 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में नौ, दूसरी में 10 और तीसरी पाली में तीन कैदी परीक्षा में शामिल हुए।

इनको कर दिया गया था प्रोन्नत

कोरोना की वजह से अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष के शिक्षार्थियों को छोड़कर सभी को प्रोन्नत कर दिया गया था। सेमेस्टर और वार्षिक पद्धति के अंतर्गत संचालित सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कराने का निर्णय लिया गया था। शेष सेमेस्टर के शिक्षार्थियों को अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया गया। स्नातक द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी, जिन्हें प्रथम वर्ष में प्रोन्नत किया गया था और परिणाम द्वितीय वर्ष के अंक पर निर्धारित किया जाना था, ऐसे शिक्षार्थियों की भी परीक्षाएं कराई जाएंगी।

मानानीया कुलपति प्रो0 सिंह ने **विश्वविद्यालय** के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। **विश्वविद्यालय** के परीक्षा केंद्रों में कोविड.19 प्रोटोकाल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान **जेलर,** श्री डी पी सिंह, श्री बी पी सागर, डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

महिला अध्ययन केन्द्र की गतिविधियों की रिपोर्ट

माह जुलाई 2021 में महिला महिला अध्ययनन केन्द्र द्वारा की गयी गतिविधियों की एक रिपोर्ट तैयार कर महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेयी, सह–समन्वयक डॉ0 श्रुति, सह–समन्वयक डॉ0 मीरा पाल एवं सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव सदस्यों ने माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को दिया।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को महिला अध्ययन केन्द्र की रिपोर्ट प्रस्तुत करती हुई महिला अध्ययन केन्द्र की समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेयी तथा साथ में सह–समन्वयक डॉ0 श्रुति, सह–समन्वयक डॉ0 मीरा पाल एवं सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना- मंडलायुक्त

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति- प्रोफेसर सीमा सिंह

भारतीय एकता का मूल तत्व–भारतीय संस्कृति : प्रो0 ओंकार नाथ सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो0 ओंकार नाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी जी रहे तथा मुख्य अतिथि श्री संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल जी रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में वेबीनार के संयोजक प्रो0 एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ. सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय वेबीनार में डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, श्री रमेश चंद्र यादव, डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक सिंह, श्री मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

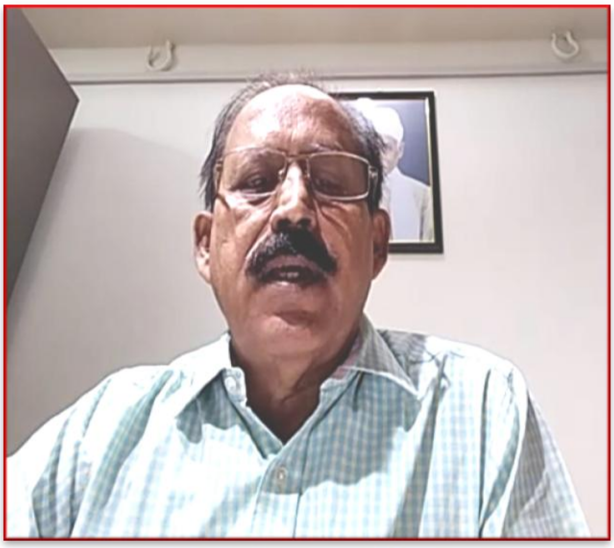

मुख्य वक्ता प्रोफेसर ओंकार नाथ सिंह जी

भारतीय एकता का मूल तत्व–भारतीय संस्कृति : प्रो0 ओंकार नाथ सिंह

वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रो0 ओंकार नाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारतीय संस्कृति को भारतीय एकता का मूल तत्व बताया। उन्होंने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला एवं काशी क्षेत्र में स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व को उद्‌घटित करते हुए उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुंबिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने गुजरात में धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची में शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी से अवगत कराया।

मुख्य अतिथि श्री संजय गोयल जी
आयुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना– आयुक्त

मुख्य अतिथि श्री संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होंने भारत देश को महापुरुषों की कर्म स्थली बताते हुए कहा कि अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा भारतीय संस्कृति के मूल में रही है। मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ–साथ धार्मिक विविधता जैनधर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। श्री गोयल ने भारत की विभिन्न परंपराओं, त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुंभ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिपादित किया।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति– प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्ष्य तथा आदर्शों का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति प्रो0 सिंह ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, वराहमिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हुए उन्हें भारत की धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सर्व समावेशी संस्कृति, मूल्यों, परम्पराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए
डॉ0 संजय कुमार सिंह

पढ़ाई के तरीके में बदलाव और रिसर्च में मेहनत करने की जरूरत –शर्मा

वी0एम0ओ0यू0 और यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय वेबिनार

वर्धमान महावीर खुला वि”वविद्यालय कोटा और उत्तर प्रदे”ा राजर्षि टण्डन मुक्त वि”वविद्यालय प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 09 अगस्त, 2021 को शोध, नवाचार और रैंकिंग विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता वी0एम0ओ0यू0 के कुलपति प्रो0 आर0एल0 गोदारा ने की। मुख्य अतिथि यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह रहीं। मुख्य वक्ता राजस्थान वि”वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 के0एल0 शर्मा ने राष्ट्रीय ि”ाक्षा नीति 2020 की समालोचना प्रस्तुत करते हुये कहा कि शोध और ि”ाक्षण एक दूसरे के पूरक हैं यानी बिना शोध के ि”ाक्षण कैसा और बिना ि”ाक्षण के शोध संभव नहीं है। ि”ाक्षकों को शोध में और मेहनत करनी होगी, उन्हें अपने पढ़ाने के तौर–तरीकों को और मजबूत करना होगा। मुख्य अतिथि यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि शोध संस्कृति का विकास करना होगा और ऐसा वातावरण बनाया जाए जिससे शोधार्थियों को मुक्त रूप से कार्य करने का अवसर मिल सके। वी0एम0ओ0यू0 के कुलपति प्रो0 आर0एल0 गोदारा ने कहा कि शोध के लिए गहराई में जाना होगा और इसके लिए स्वयं को जाग्रत करना होगा। धन्यवाद ज्ञापन यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 के निदे”ाक ि”ाक्षा विद्यापीठ प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने किया।

मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट नए कलेवर में

एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई पड़ेगी। बुधवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माउस क्लिक करके इसका उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाएं अब छात्रों को आसानी से मिल सकेंगी। इसीलिए वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया की यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से संबंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई हैं। इसके साथ ही वेबसाइट पर राष्ट्रीय महत्त्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है । शोधगंगा पर मुक्त विश्वविद्यालय के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ पी पी दुबे,डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे। वेबसाइट डेवलपर शहबाज अहमद ने वेबसाइट का प्रदर्शन किया।

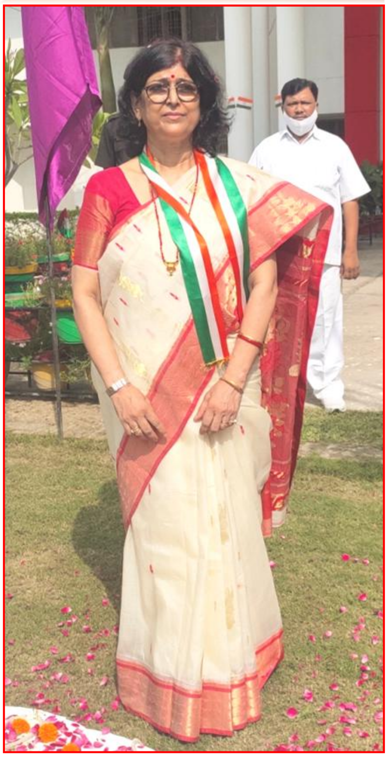

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

देश की प्रगति में हम अपना 100% योगदान दें-कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति माननीय प्रो0 सीमा सिंह जी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना 100% योगदान दे तो यह देश बहुत आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। जल का दुरुपयोग रोकना होगा तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह शुरुआत अपने विश्वविद्यालय से ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है। प्रो0 सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने देश की सीमा पर तैनात जवानों के प्रति नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने में उनका अक्षुण्ण योगदान है। उन्होंने संकल्प दिलाया कि न केवल विश्वविद्यालय की प्रगति वरन देश की प्रगति में भी सभी अपना अमूल्य योगदान करेंगे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी से दिनांक 17 अगस्त 2021 को उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के निदेशक श्री सुरेश शर्मा जी ने शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे योगा कार्यक्रम के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक कृषि विज्ञान प्रो0 पी.पी. दुबे एवं वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह जी उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल- कुलपति

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेन्टर फार एशिया (CEMCA) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग हेतु दिनांक 18 अगस्त, 2021 पूर्वान्ह 11.30 बजे ऑनलाइन बैठक आहूत की गई। बैठक में विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, CEMCA के निदेशक, प्रो0 मधू परहार, CEMCA के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री मानस रंजन पाणिग्रही, विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता, उपनिदेशक सीका प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 पी0पी0 दूबे, प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, निदेशक मानविकी विद्याशाखा प्रो0 सत्यपाल तिवारी एवं प्रभारी समाज विज्ञान प्रो0 संतोषा कुमार उपस्थित रहे।

सेमका, नईदिल्ली की निदेशक प्रो0 मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।

जिसमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विज़ुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की।

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ.ई.आर. के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक

मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक एवं प्रभारी निदेशकों की बैठक

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं उपस्थित विद्याशाखाओं के निदेशक, प्रभारी निदेशक एवं कुलसचिव

माननीया कुलपति महोदया जी के अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक एवं प्रभारी निदेशकों की पी.एच.डी. प्रवेश समिति द्वारा प्रस्तुत कार्यवृत्त पर विचार हेतु दिनांक 19 अगस्त 2021 को पूर्वाहन 11:30 बजे एक बैठक कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक में प्रो. ओम जी गुप्ता, निदेशक, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो. पी. पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो. आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो. पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो. संतोष कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

19 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष में सेमिनार का आयोजन

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति- प्रोफेसर वैशंपायन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो0 जयंत विनायक वैशंपायन जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 वैशंपायन ने मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। प्रारंभ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो0 वैशंपायन का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो0 ओम जी गुप्ता, प्रो0 पी.पी. दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी.के. पाण्डेय, प्रो0 एस. कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति- प्रोफेसर वैशंपायन

सेमिनार के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो0 जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। प्रो0 वैशंपायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके।

उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए।

प्रो0 जयंत विनायक वैशंपायन

बैठक में

उपस्थित विश्वविद्यालय

के

अधिकारी, विद्याशाखओं के निदेशक,
प्रभारी निदेशक एवं शिक्षक

नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा - प्रो0 सीमा सिंह

माननीय कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे।

मा0 अतिथिगणों के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीया कुलपति जी ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ का किया औचक निरीक्षण

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की क्षेत्रीय परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का शनिवार को विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने निरीक्षण किया।

प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करके प्रवेश की स्थिति और अध्ययन केंद्रों से प्राप्त अधिन्यास अंको की प्रविष्टि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी में स्थित यह क्षेत्रीय कार्यालय एक आदर्श केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केंद्र तक आने वाले सभी छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए। शिक्षार्थी के समस्या का समाधान स्थल पर ही निस्तारित किया जाए।

गोहरी गॉव में महिला ि”ाक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 26.08.2021 को प्रयागराज के सोरांव विकास खण्ड स्थित वि”वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला महिला अध्ययन केन्द्र की ओर से ''महिला ि”ाक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता अभियान में समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेई के साथ–साथ सह–समन्वयक डॉ0 मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा महिला अध्ययन केन्द्र की कार्यकारी समिति के प्राध्यापक और पराम”ार्दाता डॉ0 अतुल कुमार मिश्रा, डॉ0 ि”ावेन्द्र प्रताप सिंह तथा श्री राजे”ा गौतम को सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में चन्द्रप्रका”ा और श्री मुन्नाराम भी सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान श्री चमेला देवी और उनके पुत्र श्री ि”ावपूजन जी के प्रभावी सहयोग से एवं ग्रामीण महिलाओं की उत्साही भागीदारी ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम की शुरूआत में समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेई ने महिलाओं व अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुये कार्यक्रम का परिचय दिया। तदुपरान्त सह–समन्वयक डॉ0 मीरापाल ने अपने वक्तव्य में महिलाओं की पारंपरिक ि”ाक्षा के साथ–साथ व्यावसायिक ि”ाक्षा पर जोर दिया जिससे महिलाएँ स्वरोजगार के द्वारा स्वावलम्बी और स”ाक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म एवं लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई, कढ़ाई, बुनाई तथा अन्य ि”ाल्प कलाओं, घरेलू कौ”ाल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दि”ाा में आगे बढ सकती है। डॉ0 मीरा पाल ने वि”वविद्यालय के कौ”ालपरक तथा रोजगारान्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गद”ार्न दिया। श्री राजे”ा गौतम ने भी महिलाओं में शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों और ि”ाक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड–19 महामारी से रोकथाम हेतु सैनिटाईजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया और प्रतिभागी महिलाओं तथा बच्चों को मास्क भी वितरित किए गए। वि”वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी के लिये प्रवे”ा विवरणिकाएं बांटी गयीं। ि”ाक्षा और स्वावलम्बन के प्रतीक रूप में प्रतिभागियों तथा सदस्यों को डॉटपेन भी भेंट किए गए।

गोहरी ग्राम में आत्मनिर्भरता हेतु स्वरोजगाकर की दि”ाा में कुछ जागरूक महिलाएं अपने द्वारा बनाई गये सामग्री भी लेकर आई थी जिसको महिला अध्ययन केन्द्र के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा 2–3 नमूने भी क्रय किए गए, जिससे ग्रामीण महिलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि ि”ाक्षा ही एक ऐसा माध्यम हे जिससे हम अपनी झिझक दूर कर सकते है और अपनी बातों तथा अधिकारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। स्वयं सहायता समूह बनाकर महिलाएँ अपने सामान को बाजार तक पहुंचाकर उनका उचित मूल्य प्राप्त कर सकती है।

इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं में वि”ोष उत्साह देखने को मिला और महिला अपने भविष्य के प्रति सजग तथा आत्मनिर्भरता की दि”ाा में प्रयास हेतु उत्साही दिखाई पडी। ग्राम प्रधान के वि”ोष सहयोग से गोहरी ग्राम में महिला उत्थान गतिविधियों की गुणवत्ताा के प्रति केन्द्र अत्यन्त आ”ाावान एवं वि”वस्त है।

समन्वयक प्रो0 रूचि बाजपेई ने अपने वक्तव्य में यह भी बताया कि ि”ाक्षा का दायरा बहुत विस्तृत है। इसके अन्तर्गत केवल परंपरागत औपचारिक ि”ाक्षा ही नहीं अपितु सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य ि”ाक्षा, परिवार ि”ाक्षा, अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की ि”ाक्षा, आत्मनिर्भरता के लिए व्यावसायिक और रोजगारपरक जानकारियां आदि सभी सम्मिलित है।

10 शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा कल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा-2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा- 2021 के संयोजक प्रो0 पी. के. पाण्डेय ने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में संपन्न कराई जाएगी।

प्रो0 पाण्डेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए आग्रह किया गया है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में 4 परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

80 प्रतिशत ने दी बीएड एवं बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा- 2021 प्रदेश के 10 शहरों में सकुशल आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा में कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए 80 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी। कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय सहित शहर में बनाए गए परीक्षा केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज और भारत स्काउट एंड गाइड इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा- 2021 के संयोजक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय ने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रो0 पाण्डेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 16 परीक्षा केंद्रों पर 8142 परीक्षार्थी नामांकित थे जिनमें से 80% छात्र ही परीक्षा में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा के लिए निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सोशल डिस्टेंसिंग एवं कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षाफल शीघ्र घोषित किया जाएगा। पूरे प्रदेश में सफलतापूर्वक परीक्षा आयोजित करने पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों, केंद्राध्यक्षों, पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी के सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सत्र जून 2021 की परीक्षाओं का परिणाम घोषित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में प्रभारी निदेशक शिक्षा विद्याशाखा प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाओं का परिणाम घोषित

16 अगस्त को समाप्त हुई थी परीक्षाएं

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जून- 2021 की परीक्षाओं का परिणाम आज घोषित कर दिया गया। विश्वविद्यालय ने पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा का आयोजन कराया था। शनिवार को कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने परीक्षा परिणाम की घोषणा की। इस अवसर पर शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रो0र पी0 के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे। ज्ञातव्य हो कि विश्वविद्यालय ने जून 2021 के अंतिम वर्ष एवं अंतिम सेमेस्टर के परीक्षार्थियों की परीक्षाएं गत 3 अगस्त से 16 अगस्त 2021 तक आयोजित कराई थी। विश्वविद्यालय ने रिकॉर्ड समय में परीक्षा परिणाम की घोषणा करके शासन को अवगत कराया।

विश्वविद्यालय के परिसरों में नवनिर्मित टायलेट ब्लाक का शासन ने किया निरीक्षण

यमुना परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) एवं महिला रेस्ट रूम का निरीक्षण करते हुए शासन के अधिकारीगण।

विश्वविद्यालय के परिसरों में नवनिर्मित टायलेट ब्लाक का शासन ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों में टायलेट ब्लाक के निर्माण हेतु शासन से प्राप्त अनुदान के सापेक्ष यमुना परिसर एवं सरस्वती परिसर में निर्मित टायलेट ब्लाक का निरीक्षण दिनाँक 31–08–2021 को श्री श्रवण कुमार सिंह, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता कार्यदायी संस्था सी. एण्ड डी.एस., यूनिट–33 के परियोजना प्रबन्धक श्री आर.बी. चंचल तथा जे.ई श्री राजेन्द्र उपस्थित थे।

सरस्वती परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) का मुख्य द्वार

सरस्वती परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) का पुरूष रेस्ट रूम

सरस्वती परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) के पुरूष वाश बेसिन

सरस्वती परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) का महिला रेस्ट रूम

यमुना परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) का मुख्य द्वार

यमुना परिसर स्थित वाशरूम (टायलेट ब्लाक) के पुरूष एवं महिला वाश बेसिन

अमर चेतना

(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, गुरुवार, 12 अगस्त 2021 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

मुक्त विविः वेबसाइट में एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई देगी। बुधवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने इसका उद्घाटन किया। कुलपति ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से सम्बंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विवि के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओमजी गुप्ता, डॉ पी.पी दुबे, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

वर्ष : 27 | अंक : 282 प्रयागराज | गुरुवार, 12 अगस्त-2021 पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट नए कलेवर में

एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई पड़ेगी। बुधवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माउस क्लिक करके इसका उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाएं अब छात्रों को आसानी से मिल सकेंगी। इसीलिए वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया की यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से संबंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई है। इसके साथ ही वेबसाइट पर राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विश्वविद्यालय के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ पी पी दुबे, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे। वेबसाइट डेवलपर शहबाज अहमद ने वेबसाइट का प्रदर्शन किया।

सहजसत्ता

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad
सत्य की सत्ता को समर्पित

मुक्त विवि : वेबसाइट में एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई देगी। बुधवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने इसका उद्घाटन किया। कुलपति ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से सम्बंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते है। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विवि के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओमजी गुप्ता, डॉ पी.पी दुबे, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी.एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रो पी.के पांडे, प्रो. एस कुमार, प्रो रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर.जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने व्यक्त किए। वह राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के जन्मदिवस पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए पुरुषोत्तम दास टंडन जी ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दुख-सुख का भी ख्याल रखते थे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि पुरुषोत्तम दास टंडन सेवा भावी थे। अपनी वाणी और जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई।

समरसता व सहयोग स्थापित करने में भी मदद मिलती है। यह कहना है बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह का। वह रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विचार रख रहे थे। प्रो. संजय सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुविषयक पाठ्यक्रम एवं शोध के क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को तैयार होना होगा। नवागंतुक शिक्षक सिर्फ आंकड़ों पर नहीं बल्कि अकादमिक गुणवत्ता पर ध्यान दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा।

विश्वविद्यालय में रविवार को नई शिक्षा नीति 2020 को लेकर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता एवं सहयोग में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी है।

यह सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक है। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। विषय प्रवर्तन प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय और स्वागत प्रो. संजय सिंह ने किया। ब्यूरो

विश्वविद्यालय समेत कॉलेजों एवं स्कूलों में विविधि कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुक्त विवि में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीरामराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था कहा कि राजनीति में रहते हुए पुरुषोत्तम दास टंडन ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। हमें अपने महापुरुषों को याद करते रहना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने की।

मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को नई शिक्षा नीति 2020 के परिपेक्ष्य में उच्च शिक्षा में भविष्य के उपागम पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता एवं सहयोग में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी है। यह सिर्फ शिक्षा ही नहीं वरन छात्रों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहुविषयक पाठ्यक्रम एवं शोध के क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को तैयार होना होगा। विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वे अपने पाठ्यक्रमों में नीतिगत क्रियान्वयन करें। इसके लिए विद्यार्थियों को जागरूक करना होगा।

हिन्दुस्तान

युवा हिन्दुस्तान 04

नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रविवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर ऑनलाइन सेमिनार हुई। मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता एवं सहयोग में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी है। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। विषय प्रवर्तन शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रो. प्रदीप पांडेय ने किया।

अमर चेतना

(प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, सोमवार, 02 अगस्त 2021 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

फतेहपुर, सोमवार, 02 अगस्त 2021

राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनीः प्रो संजय सिंह

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन के जन्म दिवस के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो संजय सिंह ने कहा राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था।
उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए राजर्षि टंडन ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दुःख-सुख का उन्हें बेहद ख्याल रहता था। उन्होंने कहा कि हमें अपने महापुरुषों को याद करते रहना चाहिए। मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि टंडनजी सेवा भावी थे। अपनी वाणी से और अपने जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया। राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे। उनमें भारतीय आदर्शों के प्रति अत्यंत आदर था। सिद्धांत के पक्के थे। स्वभाव के संत, विचार के उच्च और कार्य के धनी राजर्षि टंडन का जीवन एकांगी नहीं था। कुलपति ने कहा कि राजर्षि टंडन का नाम हमेशा आदर के साथ लिया जाता रहेगा। वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो संजय सिंह, मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं, कर्मचारियों ने परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

Voice Of Allahabad NEWS — हिन्दी दैनिक वॉइस ऑफ इलाहाबाद

R.N.I No. UPHIN/2014/59094
प्रयागराज वर्ष : 07 अंकः 253 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया सोमवार 02 जुलाई 2021
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनीः प्रो संजय सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन के जन्म दिवस के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो संजय सिंह ने कहा राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए राजर्षि टंडन ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दुःख-सुख का उन्हें बेहद ख्याल रहता था। उन्होंने कहा कि हमें अपने महापुरुषों को याद करते रहना चाहिए। मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि टंडनजी सेवा भावी थे। अपनी वाणी से और अपने जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया। राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे। उनमें भारतीय आदर्शों के प्रति अत्यंत आदर था। सिद्धांत के पक्के थे। स्वभाव के संत, विचार के उच्च और कार्य के धनी राजर्षि टंडन का जीवन एकांगी नहीं था। कुलपति ने कहा कि राजर्षि टंडन का नाम हमेशा आदर के साथ लिया जाता रहेगा। वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो संजय सिंह, मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं, कर्मचारियों ने परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अमृत कलश टाइम्स

इलाहाबाद सोमवार 02 अगस्त 2021

सामाजिक समरसता में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी: प्रो. संजय सिंह

नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास में सहायक : प्रो. सीमा सिंह

मुक्त विवि में नई शिक्षा नीति पर सेमिनार का आयोजन

प्रयागराज, (आरएनएस)। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो.संजय सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता एवं सहयोग में नई शिक्षा नीति बहुत उपयोगी है। यह सिर्फ शिक्षा ही नहीं वरन छात्रों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत सहायक है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में रविवार को नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा में भविष्य के उपागम पर आयोजित सेमिनार में प्रो. सिंह ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बहु विषयक पाठ्यक्रम एवं शोध के क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों को तैयार होना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का यह दायित्व है कि वह अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नीतिगत क्रियान्वयन करें तथा इसके लिए विद्यार्थियों को भी जागरूक करना होगा। उन्होंने नवागंतुक शिक्षकों को संदेश दिया कि वह सिर्फ आंकड़ों पर ही नहीं बल्कि अकादमिक गुणवत्ता पर भी ध्यान दें। शिक्षकों को हमेशा सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। नई शिक्षा नीति छात्रों, शिक्षकों एवं देश के विकास में सकारात्मक तथा प्रभावकारी सिद्ध होगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शोध कार्य प्रारम्भ होने पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को बधाई दी। कहा कि शोध से निश्चय ही समाज और देश के विकास में नवीन आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने शिक्षकों एवं शोध छात्रों का आहवान किया कि वह निष्ठापूर्वक शोध कार्य करें तथा शोध पत्रों का प्रकाशन कराते रहें। अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। नई शिक्षा नीति सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। शिक्षा विद्या शाखा के प्रभारी प्रो.प्रदीप कुमार पांडेय ने कहा कि नई शिक्षा नीति से देश की शिक्षा नीति को नई दिशा मिलेगी। कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को ऑनलाइन मंच पर उपस्थित रहकर छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रो संजय सिंह का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो एस कुमार, प्रो रुचि बाजपेई, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ सी.के सिंह, डॉ सुरेंद्र कुमार एवं डॉ अनिल सिंह भदौरिया, डॉ प्रभात चंद मिश्र आदि उपस्थित रहे।

अमृत कलश टाइम्स

इलाहाबाद सोमवार 02 अगस्त 2021

राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे: प्रो. संजय सिंह

प्रयागराज, (आरएनएस) उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन के जन्म दिवस के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था। उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए राजर्षि टंडन ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दुख–सुख का उन्हें बेहद ख्याल रहता था। उन्होंने कहा कि हमें अपने महापुरुषों को याद करते रहना चाहिए। मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि टंडनजी सेवा भावी थे। अपनी वाणी से और अपने जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया। राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे। उनमें भारतीय आदर्शों के प्रति अत्यंत आदर था। सिद्धांत के पक्के थे। स्वभाव के संत, विचार के उच्च और कार्य के धनी राजर्षि टंडन का जीवन एकांगी नहीं था। कुलपति ने कहा कि राजर्षि टंडन का नाम हमेशा आदर के साथ लिया जाता रहेगा। वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संजय सिंह, मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं, कर्मचारियों ने परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

Prayagraj, Monday, 2 August 2021 WEBSITE : www.jeevanexpress.in

JEEVAN EXPRESS

New education policy very useful in social harmony: Prof. Sanjay Singh

Seminar on New Education Policy organized in Open University

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: A seminar on future approach in higher education was organized in the context of New Education Policy 2020 at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj on Sunday.

The chief guest of the seminar, Vice Chancellor of Babasaheb Bhimrao Ambedkar Central University, Lucknow, Professor Sanjay Singh said that the new education policy is very useful in social harmony and cooperation. It is very helpful not only in education but also in all round development of the students. Professor Singh clarified that teachers will have to be prepared for the implementation of multidisciplinary courses and research in the National Education Policy 2020. He gave a message to the newcomer teachers to focus not only on statistics but also on academic quality.

BBAU VC Prof. Singh congratulated Vice Chancellor Professor Seema Singh on the commencement of research work in Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University. Presiding over the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Professor Seema Singh said that the new education policy would prove helpful in the all-round development of the students.

The subject was introduced by Professor Pradeep Kumar Pandey. Dr. Arun Kumar Gupta, Registrar of the University welcomed the Chief Guest Professor Sanjay Singh on the occasion. Professor SKumar, Professor Ruchi Bajpai, Dr. Dinesh Singh, Dr. Satish Jaisal, Dr. Sadhna Srivastava, Dr. CK Singh, Dr. Surendra Kumar etc. were present on this occasion.

पायनियर

www.dailypioneer.com

जीरो टॉलरेंस से कम होंगे यौन उत्पीड़न के केस: प्रो. परमार

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कानून तक पहुंच महिला सशक्तिकरण की पूर्व शर्त विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित व्याख्यान की मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुमिता परमारए पूर्व निदेशक महिला अध्ययन केंद्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज ने कहा कि अगर सभी विभागों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए तो उससे यौन उत्पीड़न के केस में कमी आ सकती है। इसके लिए संस्था में उच्च पद से लेकर निम्न वर्ग के कर्मचारी तक एक ही नीति का पालन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्व में 1970 में सर्वप्रथम अमेरिका में महिला उत्पीड़न शब्द की शुरुआत फारले द्वारा की गई। उन्होंने विस्तार पूर्वक महिला उत्पीड़न के प्रकारों तथा उनसे बचने के उपाय पर महत्वपूर्ण चर्चा की। साथ ही भारत में किस प्रकार से यौन उत्पीड़न अधिनियम का निर्माण हुआ। इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रोफेसर परमार ने अनीता हिल केस विशाखा केस मेधा कोटवाल केस तथा भंवरी देवी केस के माध्यम से यौन उत्पीड़न अधिनियम के विकास पर विस्तार से चर्चा की। प्रोफेसर परमार ने सरकारी योजनाओं तथा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम के सभी बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए सही ढंग से लागू किए जाने के प्रयासों पर जोर दिया।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि महिलाओं में साहस एवं जागरूकता का होना अत्यंत आवश्यक है। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा ही प्रमुख अस्त्र है। महिलाओं को शिक्षित करना ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा। कुलपति ने महिलाओं में अधिनियम के प्रति जागरूकता फैलाने की बात कही। एक दिवसीय व्याख्यान में अतिथियों का वार्षिक स्वागत व्याख्यान के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्यान के आयोजन सचिव रमेश चंद्र यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। व्याख्यान के दौरान समाज विज्ञान विद्या शाखा के डॉ आनंदानंद त्रिपाठी सुनील कुमार डॉ त्रिविक्रम तिवारी डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव डॉ अलका वर्मा मनोज कुमार एवं विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक प्रोफेसर एसोसिएट प्रोफेसर असिस्टेंट प्रोफेसर तथा शैक्षणिक परामर्शदाता आदि ऑनलाइन जुड़े रहे।

www.sahajsatta.in facebook.com/sahajsatta.allahabad

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 14 अंक 46
पृष्ठ-8
प्रयागराज
रविवार, 01 अगस्त, 2021
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

जीरो टॉलरेंस से कम होंगे यौन उत्पीड़न के केस: प्रो परमार

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 'कानून तक पहुंच, महिला सशक्तिकरण की पूर्व शर्त' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. सुमिता परमार, पूर्व निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि अगर सभी विभागों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए तो उससे यौन उत्पीड़न के केस में कमी आ सकती है।

समाज विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित व्याख्यान की मुख्य वक्ता ने कहा कि इसके लिए संस्था में उच्च पद से लेकर निम्न वर्ग के कर्मचारी तक एक ही नीति का पालन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्व में 1970 में सर्वप्रथम अमेरिका में महिला उत्पीड़न शब्द की शुरुआत फारले द्वारा की गई। उन्होंने महिला उत्पीड़न के प्रकारों तथा उनसे बचने के उपाय पर महत्वपूर्ण चर्चा की। साथ ही भारत में किस प्रकार से यौन उत्पीड़न अधिनियम का निर्माण हुआ, इस पर प्रकाश डाला।

प्रो परमार ने अनीता हिल केस, विशाखा केस, मेधा कोटवाल केस तथा भंवरी देवी केस के माध्यम से यौन उत्पीड़न अधिनियम के विकास पर चर्चा की। उन्होंने सरकारी योजनाओं तथा सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम के सभी बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए सही ढंग से लागू किए जाने के प्रयासों पर जोर दिया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि महिलाओं में साहस एवं जागरूकता का होना अत्यंत आवश्यक है। महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा ही प्रमुख अस्त्र है। महिलाओं को शिक्षित करना ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा। व्याख्यान के संयोजक प्रो एस कुमार एवं संचालन व्याख्यान के आयोजन सचिव रमेश चंद्र यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस दौरान समाज विज्ञान विद्या शाखा के डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, सुनील कुमार, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अलका वर्मा, मनोज कुमार एवं विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर आदि ऑनलाइन जुड़े रहे।

the pioneer

www.dailypioneer.com

UPRTOU FINAL EXAMS: The final semester and final year examinations of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) will start from August 3and end on August 16. Around 48,000 students will be taking the exams which will be held at 122 centres across the state. Vice-Chancellor Seema Singh said, "This time, students will be writing their answers on an OMR sheet as the questions will be based on multiple-choice questions (MCQs). Earlier, the exams were held in a descriptive format.

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

प्रयागराज, सोमवार, 02 अगस्त 2021

राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे- प्रो. संजय सिंह

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय में राजर्षि टंडन के जन्म दिवस के अवसर पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा राजर्षि टंडन विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। सत्य और स्वतंत्रता के अनन्य उपासक थे। उनका जीवन दया, करुणा एवं मानवीय गुणों से परिपूर्ण था।

उन्होंने कहा कि राजनीति में रहते हुए राजर्षि टंडन ने शुचिता बनाए रखी। वह राजनेताओं के लिए रोल मॉडल थे। दूसरों के दुख-सुख का उन्हें बेहद ख्याल रहता था। उन्होंने कहा कि हमें अपने महापुरुशों को याद करते रहना चाहिए।मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि टंडनजी सेवा भावी थे। अपनी वाणी से और अपने जीवन से उन्होंने सदा लोगों को सेवा की ओर उन्मुख किया। राजर्षि टंडन भारतीयता के प्रतीक थे। उनमें भारतीय आदर्शों के प्रति अत्यंत आदर था। सिद्धांत के पक्के थे। स्वभाव के संत, विचार के उच्च और कार्य के धनी राजर्षि टंडन का जीवन एकांगी नहीं था। कुलपति ने कहा कि राजर्षि टंडन का नाम हमेषा आदर के साथ लिया जाता रहेगा। वह हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. संजय सिंह, मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, परामर्शदाताओं, कर्मचारियों ने परिसर में स्थापित राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

अमर उजाला

अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth 6

मुक्त विवि: 24 बंदी भी दे रहे स्नातक की परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार से सत्र 2021 की अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शुरू हो गईं। प्रदेश में 112 केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। केंद्रीय कारागार नैनी में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यहां 24 बंदी परीक्षा दे रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जेल में परीक्षा व्यवस्था पर उन्होंने संतोष जताया। विवि पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा करवा रहा है। प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय आधारित रहा।

कोरोना महामारी के चलते मुक्त विद्यालय सत्र 2021 अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षा विलंब से करवा रहा है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विवि के सरस्वती परिसर में परीक्षा का जायजा लिया। सभी केंद्रों पर कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा में लगभग 80 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 14 अगस्त चलेगी। संवाद

जेल में परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करतीं मुक्त विवि की कुलपति। विज्ञप्ति

प्रयागराज, बुधवार
4 अगस्त, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18
www.jagran.com

दैनिक जागरण

त्रिपुरा में हुए उग्रवादी हमले में दो जवान शहीद 15
संसद ठप करना संविधान और लोकतंत्र का अपमान: मोदी 17

युवा जागरण

598 का खर्चा है इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षकों के
02 नकारात्मक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय

6
दैनिक जागरण
प्रयागराज, 4 अगस्त 2021
www.jagran.com

नैनी जेल समेत प्रदेश के 123 केंद्रों पर परीक्षा का आगाज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाओं का मंगलवार को आगाज हो गया। पहले दिन नैनी सेंट्रल जेल समेत प्रदेश के 123 केंद्रों पर आफलाइन मोड में परीक्षा आयोजित की गई। खुद कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह नैनी जेल परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण करने पहुंच गईं। हालांकि, कहीं पर किसी तरह की समस्या नहीं आई। प्रस्तुत है दैनिक जागरण की रिपोर्ट...।

नैनी सेंट्रलजेल परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करती कुलपति प्रो. सीमा सिंह ● साभार : मीडिया सेल

03 अगस्त से विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू	14 तक आफलाइन मोड में केंद्रों पर होगी परीक्षा
48 हजार शिक्षार्थियों ने पहले दिन दी परीक्षा	80 हजार छात्र अलग-अलग दिनों में होंगे शामिल
01 में अधिकतम तीन प्रश्नपत्रों को ही किया गया है समाहित	60 प्रश्नों का एक प्रश्नपत्र तैयार किया गया है
1:30 घंटे में पूछे जाएंगे बहुविकल्पीय सवाल	24 कैदियों ने पहले दिन दर्ज कराई अपनी सहभागिता

जेल में 24 कैदियों ने दी परीक्षा

सत्र 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 123 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से हुई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में नौ, दूसरी में 10 और तीसरी पाली में तीन कैदी परीक्षा में शामिल हुए।

निरीक्षण टीम में ये थे शामिल

विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटोकाल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डीपी सिंह, बीपी सागर, डा. अरुण कुमार गुप्ता, डा. ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डा. सतीश जैसल, इंदुभूषण पांडेय आदि उपस्थित रहे।

इनको कर दिया गया था प्रोन्नत

कोरोना की वजह से अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष के शिक्षार्थियों को छोड़कर सभी को प्रोन्नत कर दिया गया था। सेमेस्टर और वार्षिक पद्धति के अंतर्गत संचालित सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कराने का निर्णय लिया गया था। शेष सेमेस्टर के शिक्षार्थियों को अगले सेमेस्टर में प्रोन्नत कर दिया गया। स्नातक द्वितीय वर्ष के ऐसे शिक्षार्थी, जिन्हें प्रथम वर्ष में प्रोन्नत किया गया था और परिणाम द्वितीय वर्ष के अंक पर निर्धारित किया जाना था, ऐसे शिक्षार्थियों की भी परीक्षाएं कराई जाएंगी।

अमर उजाला

SELECT
प्रयागराज CITY

प्रदेश के 112 केंद्रों पर हो रही परीक्षा

मुक्त विवि की कुलपति ने किया निरीक्षण

नैनी कारागार में 24 बंदियों के लिए बनाया गया है परीक्षा केंद्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार से सत्र 2021 की अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षाएं शुरू हो गईं। प्रदेश में 112 केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। केंद्रीय कारागार नैनी में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। यहां 24 बंदी परीक्षा दे रहे हैं। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने केंद्रीय कारागार में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जेल में परीक्षा व्यवस्था पर उन्होंने संतोष जताया। विश्वविद्यालय पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा करवा रहा है। प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय आधारित रहा।

कोरोना महामारी के चलते मुक्त विद्यालय सत्र 2021 अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष की परीक्षा विलंब से करवा रहा है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने में परीक्षा का जायजा लिया। सभी केंद्रों पर कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा में लगभग 80 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा 14 अगस्त चलेगी। विवि प्रशासन सेमेस्टर और वार्षिक पद्धति के अंतर्गत संचालित सभी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, स्नाकोत्तर पाठ्याक्र मों के अंतिम सेमेस्टर और अंतिम वर्ष के अभ्यर्थियों की परीक्षा करवा रहा है। शेष सेमेस्टर के विद्यार्थियों को प्रोन्त कर दिया गया है। निरीक्षण में डीपी सिंह, बीपी सागर, डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ.सतीश जैसल आदि

Prayagraj, Wednesday, 4 August 2021
WEBSITE : www.jeevanexpress.in

JEEVAN EXPRESS

VC conducted surprise inspection of examination center in Central Jail, Naini

Examinations of Open University are being conducted first time on OMR sheet

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: The examinations for the session June 2021 of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj have started from Tuesday. This examination is being conducted in 112 examination centers of the state. Vice Chancellor of the University, Prof. Seema Singh, conducted a surprise inspection of the examination center in the Central Jail Naini. Where, many prisoners were appearing in the exam sincerely. The examination is being conducted for the first time in the university, on OMR sheet. The Vice Chancellor expressed satisfaction after seeing the examination arrangements in the jail. There are 24 prisoners are appearing in the exam in Naini Jail.

Vice Chancellor Prof. Singh also inspected of the examination being conducted under the COVID-19 protocol in the Saraswati campus of the university. DP Singh, BP Sagar, Dr. Arun Kumar Gupta, Dr. Gyan Prakash Yadav, Dinesh Singh, Dr. Satish Jaisal etc. were present during the inspection.

दैनिक लोकमित्र

सच्चाई की जंग

कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 112 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा देने में मशगूल थे। विश्वविद्यालय में पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया। नैनी जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटो काल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डी पी सिंह, श्री बी पी सागर, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, बुधवार, 4 अगस्त 2021

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

परीक्षा देते परीक्षार्थी व निरीक्षण करती कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 112 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा देने में मशगूल थे। विश्वविद्यालय में पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया। नैनी जेल में 24 कैदियों ने परीक्षा दी। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटो काल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री डी पी सिंह, बी पी सागर, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज,बुधवार 04 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू,कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 112 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा देने में मशगूल थे। विश्वविद्यालय में पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया। नैनी जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटो काल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डी पी सिंह, बी पी सागर, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

हर बात

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, बुधवार, 04 अगस्त, 2021

कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 112 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा देने में मशगूल थे। विश्वविद्यालय में

पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया। नैनी जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटो काल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डी पी सिंह, बी पी सागर, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

हिन्दी दैनिक

www.voiceofallahabad.com

मुक्त विवि की परीक्षाएं 112 केन्द्रों पर शुरू

कुलपति ने किया जेल में परीक्षा का औचक निरीक्षण

नैनी जेल में 24 कैदियों ने दी परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2021 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 112 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज केंद्रीय कारागार नैनी में बने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया।

यह जानकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में पहली बार ओएमआर शीट पर परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान वहां कई कैदी तल्लीनता से परीक्षा देने में मशगूल थे। कुलपति ने जेल में परीक्षा व्यवस्था देखकर संतोष व्यक्त किया। बताया कि नैनी जेल में आज 24 कैदियों ने परीक्षा दी। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में भी परीक्षा का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्रों में कोविड-19 प्रोटोकाल के अंतर्गत परीक्षा का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान डी पी सिंह, बी पी सागर, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, दिनेश सिंह, डॉ सतीश जैसल आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, गुरुवार, 05 अगस्त 2021 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना- मंडलायुक्त
सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति- प्रोफेसर सीमा सिंह
मुक्तविश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होंने भारत देश को महापुरुषो की कर्म स्थली बताते हुए कहा कि अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा भारतीय संस्कृति के मूल मे रही है। मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ-साथ धार्मिक विविधता जैनधर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। श्री गोयल ने भारत की विभिन्न परंपराओं, त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुंभ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिपादित किया।

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शों का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, वाराहमिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्हें भारत की धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सर्व समावेशी संस्कृति, मूल्यों, परंपराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है।

इस अवसर पर वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ओंकार नाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए भारतीय एकता को मूल तत्व बताया। उन्होंने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा काशी क्षेत्र में स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुंबिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने गुजरात में धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची में शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में वेबीनार के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय वेबीनार में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, श्री रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक सिंह, श्री मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

www.rajexpress.co
twitter.com/rajexpressnews
www.facebook.com/rajexpressnews
ग्वालियर
गुरुवार, 05 अगस्त 2021
सच कहने का साहस और सलीका
राज एक्सप्रेस
■ ग्वालियर ■ भोपाल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना : मंडलायुक्त

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होंने भारत देश को महापुरुषों की कर्म स्थली बताते हुए कहा कि अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा भारतीय संस्कृति के मूल में रही है। हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों में विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ-साथ धार्मिक विविधता जैनधर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय वेबीनार में डॉ. आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक सिंह, मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छग, बिहार, उप्र आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

Prayagraj, Thursday 5 August 2021
WEBSITE : www.jeevanexpress.in
JEEVAN EXPRESS

Cultural heritage mirror of every country: Divisional Commissioner

Webinar on Indian Cultural Heritage held at Open University

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: A one-day national webinar on the topic of Indian Cultural Heritage was organized under the aegis of Social Science Vidya Branch of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University on Wednesday. On this occasion, Chief Guest Commissioner Prayagraj Division Sanjay Goyal said that cultural heritage is the mirror of every country. Describing the country of India as the work place of great men, he said that unity in diversity is the identity of Indian culture. He said that the biggest feature of Indian culture is to maintain its existence without harming other cultures.

Presiding over Vice Chancellor, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prof. Seema Singh said that Indian culture is a value vision. Culture is the soul and source of inspiration of the country. On the basis of which the nation builds its characteristics and ideals.

On this occasion, the keynote speaker of the webinar, HoD Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Banaras Hindu University, Varanasi Prof. Omkar Nath Singh mentioned Indian culture as the basic element of Indian unity. At the beginning of the program, the convener of the webinar, Professor S Kumar welcomed the guests. The program was conducted and coordinated by Dr. Sunil Kumar and vote of thanks by Dr. Sanjay Kumar Singh.

Dr. Anand Tripathi, Dr. Trivikram Tiwari, Ramesh Chandra Yadav, Dr. Deepshikha Srivastava, Dr. Abhishek Singh, Manoj along with participants from several States including Uttarakhand, Chhattisgarh, Bihar and Uttar Pradesh.

प्रयागराज, गुरुवार, 5 अगस्त 2021
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान : मंडलायुक्त

वेबिनार

संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है : प्रों सीमा सिंह

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा की ओर से बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंडलायुक्त आशीष गोयल ने कहा कि अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। संस्कृतियां हर देश की धरोहर तथा आईना होता है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की विशेषता बताते हुए कहा कि दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा भारतीय संस्कृति के मूल में रही है। मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। बेबीनार की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रों

सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शों का निर्माण करता है। इस अवसर पर वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोंफेसर ओंकार नाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए भारतीय एकता को मूल तत्व बताया। उन्होंने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा काशी क्षेत्र में स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुंबिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। साथ ही गुजरात में धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची में शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर बेबीनार संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। राष्ट्रीय वेबीनार में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक सिंह, मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय वेबिनार में बोलते मण्डलायुक्त व अन्य

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज,गुरूवार 05 अगस्त, 2021

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना- मंडलायुक्त

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति- प्रोफेसर सीमा सिंह,मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मै बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री संजय गोयल आयुक्त प्रयागराज मंडल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होने भारत देश को महापुरुषों की कर्म स्थली बताते हुए कहा कि अनेकता मै एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा भारतीय संस्कृति के मूल मै रही है। मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान मै वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमै अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होने पूर्वोत्तर राज्यों मै विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ-साथ धार्मिक विविधता जैनधर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। श्री गोयल ने भारत की विभिन्न परंपराओं, त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुंभ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिपादित किया।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शो का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, वाराहमिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्हे भारत की धरोहर बताया। उन्होने कहा कि भारतीय संस्कृति सर्व समावेशी संस्कृति, मूल्यों, परंपराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है।इस अवसर पर वेबीनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ओंकार नाथ सिंह, विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए भारतीय एकता को मूल तत्व बताया। उन्होने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा काशी क्षेत्र मै स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुंबिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होने गुजरात मै धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची मै शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के प्रारंभ मै वेबीनार के संयोजक प्रोफेसर एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया।

राष्ट्रीय वेबीनार में डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक सिंह,मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

https://twitter.com/nyayadheeshald https://twitter.com/nyayadheeshald

---

Voice Of Allahabad NEWS

प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक: 256
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
गुरुवार 05 अगस्त 2021

हिन्दी दैनिक

R.N.I No. UPHIN/2014/59094

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

खबर वही जो सच हो..

Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईनाः मण्डलायुक्त

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृतिः प्रो सीमा सिंह,मुक्त विवि में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मैं बुधवार को "भारतीय सांस्कृतिक विरासत" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आयुक्त, प्रयागराज मंडल संजय गोयल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होंने भारत देश को महापुरुषों की कर्मस्थली बताते हुए कहा कि अनेकता मै एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परम्परा भारतीय संस्कृति के मूल मै रही है।

मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमै अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों मै विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ-साथ धार्मिक विविधता जैन धर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। श्री गोयल ने भारत की विभिन्न परम्पराओं, त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुम्भ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिपादित किया। अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणास्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शों का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, वाराह मिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्हें भारत की धरोहर बताया। कहा कि भारतीय संस्कृति सर्वसमावेशी संस्कृति, मूल्यों, परम्पराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है।

वेबीनार के मुख्य वक्ता प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष प्रो ओंकार नाथ सिंह ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए भारतीय एकता को मूल तत्व बताया। उन्होंने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा काशी क्षेत्र स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुम्बिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने गुजरात मै धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची मै शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। राष्ट्रीय वेबीनार मै डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक सिंह, मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि : वेबसाइट में एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएँ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई देगी। बुधवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने इसका उद्घाटन किया। कुलपति ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है।

वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से सम्बंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विवि के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओमजी गुप्ता, डॉ पी.पी दुबे, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी.एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रो पी.के पांडे, प्रो. एस कुमार, प्रो रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर.जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार

इलाहाबाद एक्सप्रेस | प्रयागराज

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना : मण्डलायुक्त

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति : प्रो सीमा सिंह, मुक्त विवि में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को बाढ़ के दृष्टिगत सतर्क रहने के दिये निर्देश

चम्बल से छोड़ा गया पानी सात अगस्त तक प्रयागराज पहुँचने की सम्भावना

---

www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 14 अंक 50
पृष्ठ-8
प्रयागराज
गुरुवार, 5 अगस्त, 2021
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईनाः मण्डलायुक्त

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मै बुधवार को "भारतीय सांस्कृतिक विरासत" पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आयुक्त, प्रयागराज मंडल संजय गोयल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। उन्होंने भारत देश को महापुरुषों की कर्मस्थली बताते हुए कहा कि अनेकता मै एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। हमारे यहां अतिथि देवो भव की परम्परा भारतीय संस्कृति के मूल मै रही है।

मंडलायुक्त श्री गोयल ने भारतीय संविधान मै वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हम सभी नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमै अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों मै विभिन्न जनजातियों गारो, खासी तथा जयंतिया की जीवन शैली का उल्लेख किया तथा भाषाओं की विविधता के साथ-साथ धार्मिक विविधता जैन धर्म, बौद्ध धर्म का सिख धर्म का भी उल्लेख किया। श्री गोयल ने भारत की विभिन्न परम्पराओं, त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुम्भ मेले के सांस्कृतिक महत्व को प्रतिपादित किया।अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणास्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शों का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट, वाराह मिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्हें भारत की धरोहर बताया। कहा कि भारतीय संस्कृति सर्वसमावेशी संस्कृति, मूल्यों, परम्पराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है।

वेबीनार के मुख्य वक्ता प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष प्रो ओंकार नाथ सिंह ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए भारतीय एकता को मूल तत्व बताया। उन्होंने सिंधु सभ्यता के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा काशी क्षेत्र स्थित सारनाथ के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ, सारनाथ, लुम्बिनी, बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने गुजरात मै धौलावीरा नामक पुरातात्विक स्थल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत की सूची मै शामिल किए जाने की नवीनतम जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। राष्ट्रीय वेबीनार मै डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ त्रिविक्रम तिवारी, रमेश चंद्र यादव, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक सिंह, मनोज कुमार तथा उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

वर्ष : 27 | अंक : 275
प्रयागराज | गुरूवार ,5 अगस्त-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

दैनिक | सच्चाई की जंग

लोकमित्र

सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना- मंडलायुक्त

सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृति- प्रोफेसर सीमा सिंह मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबीनार

पायनियर

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 5 अगस्त, 2021

प्रत्येक देश का आईना है सांस्कृतिक धरोहरः कमिश्नर

- सर्व समावेशी है भारतीय संस्कृतिः प्रो. सीमा
- मुक्त विवि में भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर वेबिनार आयोजित

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सांस्कृतिक विरासत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि कमिश्नर संजय कुमार गोयल ने कहा कि सांस्कृतिक धरोहर प्रत्येक देश का आईना होता है। भारत देश को महापुरुषों की कर्मस्थली बताते हुए कहा कि अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता दूसरी संस्कृतियों को बिना क्षति पहुंचाए अपने अस्तित्व को बनाए रखना है। गोयल ने भारतीय संविधान में वर्णित अधिकारों तथा कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी

वेबिनार में शामिल कमिश्नर और कुलपति।

नागरिकों का यह परम कर्तव्य है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान तथा संरक्षण करना चाहिए। भाषाओं की विविधता के साथ साथ धार्मिक विविधता जैन धर्म बौद्ध धर्म सिख धर्म का भी उल्लेख किया। गोयल ने भारत की विभिन्न परंपराओं त्योहारों तथा गंगा जमुनी संस्कृति का उल्लेख करते हुए प्रयागराज के कुंभ मेले के सांस्कृतिक महत्व को बताया।

अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति एक मूल्य दृष्टि है। संस्कृति देश की आत्मा तथा प्रेरणा स्रोत है। जिसके आधार पर राष्ट्र अपने लक्षण तथा आदर्शों का निर्माण करता है। संस्कृति संस्कारों की अभिव्यक्ति है। कुलपति प्रो सिंह ने प्राचीन भारत के महान विद्वानों तथा वैज्ञानिकों आर्यभट्ट वाराहमिहिर तथा पतंजलि जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हुए उन्हें भारत की धरोहर बताया।

भारतीय संस्कृति सर्व समावेशी संस्कृति मूल्यों परंपराओं तथा चिंतन का सुंदर समन्वय है। मुख्य वक्ता प्रो ओंकार नाथ सिंह विभागाध्यक्ष प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने भारतीय संस्कृति का उल्लेख किया। उन्होंने बौद्ध परिपथ सारनाथ लुंबिनी बोधगया तथा कुशीनगर के ऐतिहासिक महत्व का भी उल्लेख किया। अतिथियों का स्वागत वेबिनार के संयोजक प्रो एस कुमार ने किया। संचालन तथा संयोजन डा सुनील कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डा संजय कुमार सिंह ने किया। राष्ट्रीय वेबिनार में डा आनंदानंद त्रिपाठी डा त्रिविक्रम तिवारी रमेश चंद्र यादव डा दीपशिखा श्रीवास्तव डा अभिषेक सिंह मनोज कुमार आदि रहे।

Voice Of Allahabad NEWS

प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक: 263
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
गुरुवार 12 अगस्त 2021

हिन्दी दैनिक

R.N.I No. UPHIN/2014/59094

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

खबर वही जो सच हो...

Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुक्त विविः वेबसाइट में एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर मै दिखाई देगी। बुधवार को कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने इसका उद्घाटन किया। कुलपति ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होने बताया कि वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से सम्बंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रो. सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई है। इसके साथ ही राष्ट्रीय महत्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते है। उन्होने बताया कि इसमै सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विवि के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओमजी गुप्ता, डॉ पी.पी दुबे, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी.एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रो पी.के पांडे, प्रो. एस कुमार, प्रो रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर.जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले समय पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज, गुरूवार 12 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट नए कलेवर में

एक क्लिक पर मिलेगी छात्रों को सभी सूचनाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्या लय प्रयागराज की वेबसाइट अब नए कलेवर में दिखाई पड़ेगी। बुधवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने माउस क्लिक करके इसका उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि वेबसाइट को यूजर फ्रेंडली बनाया गया है। अब एक क्लिक पर सभी सूचनाएं एक साथ मिलेंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से संबंधित सूचनाएं अब छात्रों को आसानी से मिल सकेंगी। इसीलिए वेबसाइट को छात्र केंद्रित बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर स्टूडेंट कॉर्नर का निर्माण किया गया है। यहां छात्रों से संबंधित

सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। वेबसाइट पर प्रवेश और परीक्षा के ऑनलाइन पोर्टल को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। प्रोफेसर सिंह ने बताया की यूनिवर्सिटी कार्नर पर विश्वविद्यालय से संबंधित सभी सूचनाएं एकत्रित की गई हैं। इसके साथ ही वेबसाइट पर राष्ट्रीय महत्त्व के कई संस्थानों का लिंक भी दिया गया है, जिससे छात्र आसानी से वहां पहुंच सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय से शोधगंगा पोर्टल को जोड़ा गया है। शोधगंगा पर मुक्त विश्वविद्यालय के 335 शोधार्थियों की पीएचडी की थिसिस अपलोड की गई है। जिसे ऑनलाइन देखा जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह, निदेशकगण डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ पी पी दुबे,डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ जी एस शुक्ला, डॉ सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर रुचि बाजपेई, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर जे मौर्य, डॉ दिनेश सिंह, डॉ साधना श्रीवास्तव, धीरज रावत आदि उपस्थित रहे। वेबसाइट डेवलपर शहबाज अहमद ने वेबसाइट का प्रदर्शन किया।

JEEVAN EXPRESS PRAYAGRAJ

PRAYAGRAJ THURSDAY, 12 AUGUST 2021

Open University website now in new pattern

VC inaugurated the website, Students will get all the information on one click

STAFF REPORTER

PRAYAGRAJ: Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Prayagraj, Prof. Seema Singh, inaugurated the new website of the university on Wednesday. Vice Chancellor Professor Seema Singh said that the website has been made user friendly. Now the website has been made student centric to get all the information together and easily at a single click. She told that a student corner has been created on the website. All the information related to the students will be available here. She said that the most important in this, the Shodhganga portal has been linked to the central library of the university. The PhD thesis of 335 scholars of Open University has been uploaded on

Shodhganga, which can be viewed online.

Registrar Dr. Arun Kumar Gupta, Controller of Examinations DP Singh, Directors Dr. Omji Gupta, Dr. PP Dubey, Dr. Ashutosh Gupta, Dr. GS Shukla, Dr. Satyapal Tiwari, Professor PK Pandey, Professor S Kumar, Professor Ruchi Bajpai, Dr. Gyan Prakash Yadav, Dr. RJ Maurya, Dr. Dinesh Singh, Dr. Sadhna Srivastava, Dheeraj Rawat, Website developer Shahbaz Ahmed etc. were present on the occasion.

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
UNITED
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
युनाइटेड भारत
प्रयागराज से प्रकाशित
RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17
वर्ष 21 ■ अंक-226

देश की प्रगति में शत-प्रतिशत योगदान दें : कुलपति

▸ मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना १००ड्ड योगदान दे तो यह देश बहुत आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। जल का दुरुपयोग रोकना होगा तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह शुरुआत अपने विश्वविद्यालय से ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है। प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने देश की सीमा पर तैनात जवानों के प्रति नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने में उनका अक्षुण्ण योगदान है। उन्होंने संकल्प दिलाया कि न केवल विश्वविद्यालय की प्रगति वरन देश की प्रगति में भी सभी अपना अमूल्य योगदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

वर्ष : 27 | अंक : 286
प्रतापगढ़ | मंगलवार , 17 अगस्त-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक
लोकमित्र
सच्चाई की जंग
प्रतापगढ़, लखनऊ, कौशाम्बी, एवं प्रयागराज से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com
R.N.I. No. : 71870/94

देश की प्रगति में शत प्रतिशत योगदान दें-कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना 100ड्ड योगदान दे तो यह देश बहुत आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। जल का दुरुपयोग रोकना होगा तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह शुरुआत अपने विश्वविद्यालय से ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है। प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने देश की सीमा पर तैनात जवानों के प्रति नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने में उनका अक्षुण्ण योगदान है।

उन्होंने संकल्प दिलाया कि न केवल विश्वविद्यालय की प्रगति वरन देश की प्रगति में भी सभी अपना अमूल्य योगदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,मंगलवार 17 अगस्त, 2021

देश की प्रगति में शत प्रतिशत योगदान दें-कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया ध्वजारोहण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना 100ड्ड योगदान दे तो यह देश बहुत आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। जल का दुरुपयोग रोकना होगा तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह शुरुआत अपने विश्वविद्यालय से ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है। प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने देश की सीमा पर तैनात जवानों के प्रति नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने में उनका अक्षुण्ण योगदान है। उन्होंने संकल्प दिलाया कि न केवल विश्वविद्यालय की प्रगति वरन देश की प्रगति में भी सभी अपना अमूल्य योगदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

वर्ष: 01 अंक: 247
पृष्ठ : 4
प्रातःसंस्करण
मूल्य : 01 रुपया
मंगलवार ,17 अगस्त, 2021
हिन्दी दैनिक
हर बात
प्रयागराज से प्रकाशित

देश की प्रगति में शत प्रतिशत योगदान दें-कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय में प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया ध्वजारोहण

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी

वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना 100: योगदान दे तो यह देश बहुत आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी–छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। जल का दुरुपयोग रोकना होगा तथा पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। हमें यह शुरुआत अपने विश्वविद्यालय से ही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई विशेष गुण अवश्य होता है। प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करते हुए कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने देश की सीमा पर तैनात जवानों के प्रति नमन एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने में उनका अक्षुण्ण योगदान है। उन्होंने संकल्प दिलाया कि न केवल विश्वविद्यालय की प्रगति वरन देश की प्रगति में भी सभी अपना अमूल्य योगदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

शैक्षणिक संस्थाओं व सामाजिक संगठनों ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी।

आरएलबीएस झांसी में प्राचार्य सम्बोधित करते हुये।

कैण्ट पूर्व माध्यमिक विद्यालय लालकुर्ती झांसी।

स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय प्रेमनगर झांसी।

एनएचएआई बबीना में लायन्स क्लब झांसी

प्रयागराज, मंगलवार, 17 अगस्त, 2021
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

देश की प्रगति में शत प्रतिशत योगदान दें-कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी वैयक्तिकता का सम्मान करना है। अगर प्रत्येक व्यक्ति अपना 100% योगदान दे तो यह देश बहुत

आगे जा सकता है। हम निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे तो प्रगति दिखाई देगी। हमें छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

सहजसत्ता
सत्य की सत्ता को समर्पित
प्रयागराज, बुधवार, 18 अगस्त, 2021

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, सनतक एवं परासनतक में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोनन्त कर दिए गए है, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

मुक्त विष्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, ड्प्लिोमा कार्यक्रम, पीजी ड्प्लिोमा कार्यक्रम, सनतक एवं परासनतक में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विष्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्श में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्श में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021–22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2021 कर दी गई है।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें।

ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई २०२१-२२ में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर ३१ अगस्त कर दी गई है।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,बुधवार 18 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, ड्प्लिोमा कार्यक्रम, पीजी ड्प्लिोमा कार्यक्रम, सनतक एवं परासनतक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2021 कर दी गई है।प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोनन्त कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

वर्ष: 01 अंक: 247
पृष्ठ : 4
प्रात:संस्करण
मूल्य : 01 रुपया
हिन्दी दैनिक
हर बात
बुधवार,18 अगस्त, 2021
प्रयागराज से प्रकाशित

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021–22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2021 कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

राष्ट्रीय सहारा

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश के लिए सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि इच्छुक शिक्षार्थी विवि की वेबसाइट में वेब लिंक पर आनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। उन्होंने बताया कि प्रवेश के बाद सभी कोर्स की कक्षाएं पूर्ववत की तरह संचालित होंगी और उनको समय से पाठ्य सामग्रियां भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। प्रथम वर्ष में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

अमर उजाला
प्रयागराज | बृहस्पतिवार, 19 अगस्त 2021
जताई चिंता — उपराष्ट्रपति नायडू बोले-सदन चर्चा के लिए, व्यवधान न पैदा करें...11 — उत्तर प्रदेश
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth — प्रयागराज | बृहस्पतिवार, 19 अगस्त 2021 — 8

मुक्त विश्वविद्यालय में डिजिटल फार्म में होगी पाठ्य सामग्री

मुक्त विवि और सेमका के बीच एमओयू के लिए ऑनलाइन बैठक

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के बीच विभिन्न मुद्दों पर सहयोग के लिए बुधवार को ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में सेमका नई दिल्ली की प्रोफेसर मधु परहार ने विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की।

मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फार्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को आधुनिक तकनीक से लैस करने सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के

लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी एवं प्रो. एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

मनोविकारों पर व्याख्यान

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग की ओर से 'कोविड 19 से प्रभावित विभिन्न मनोवैज्ञानिक आयाम' विषय पर बुधवार को व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. प्रतिमा आनंद सिंह ने इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. बृजेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. सरोज नवल, डॉ. संचिता वर्मा, डॉ. महेश कुमार मौर्य व डॉ रत्ना तिवारी आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

दैनिक जागरण
प्रयागराज, गुरुवार 19 अगस्त 2021
www.jagran.com
युवा जागरण — दैनिक जागरण 4 — प्रयागराज, 19 अगस्त, 2021

डिजिटल होगी मुवि की पाठ्य सामग्री

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री अब डिजिटल होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फार एशिया (सेमका) के साथ मेमोरंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) करने का फैसला लिया है। दोनों संस्थानों के मुखियों के बीच आनलाइन बैठक में सहमति भी बन गई है।

विश्वविद्यालय और सेमका के साथ विभिन्न मसलों पर सहयोग के लिए बुधवार को आनलाइन बैठक में सेमका नई दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशाप का आयोजन, ओइआर पालिसी में आवश्यक सुधार के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आइसीटी के प्रयोग आदि पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फार्म में रुपांतरित करने तथा विश्वविद्यालय में स्थित आडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने के लिए सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) बनाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा हुई। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर पीके पांडेय, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
प्रयागराज | बृहस्पतिवार | 19 अगस्त 2021
SELECT

मुक्त विश्वविद्यालय में डिजिटल फार्म में मिलेगी पाठ्य सामग्री

मुक्त विवि और सेमका के बीच एमओयू के लिए ऑनलाइन बैठक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के बीच विभिन्न मुद्दों पर सहयोग के लिए बुधवार को ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में सेमका नई दिल्ली की प्रोफेसर मधु परहार ने विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की।

मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फार्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को आधुनिक तकनीक से लैस करने सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त

विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी एवं प्रो. एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com
युवा — हिन्दुस्तान 06

मुविविः डिजिटल होंगे विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि एवं कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग के लिए बुधवार को ऑनलाइन बैठक हुई। सेमका, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. मधु परहार ने सहयोग के लिए विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने विवि की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित करने व विवि में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित करने को सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए बैठक हुई। मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. आशुतोष गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

www.amitmail.in
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
अमित मेल
सत्य घटनाओं का आईना
वर्ष-10 अंक-55 प्रयागराज गुरुवार 19 अगस्त 2021

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ी

प्रयागराज, (अ.मे. संवाददाता)।। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021–22 में प्रवेश हेतु सभी जागरूकता कार्यक्रम, प्रमाण पत्र कार्यक्रम, डिप्लोमा कार्यक्रम, पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम, स्नातक एवं परास्नातक में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी गई है।

प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के इच्छुक शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट में वेब लिंक पर ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते हुए 31 अगस्त तक अपना प्रवेश सुनिश्चित एवं पूर्ण करा लें। ऐसे शिक्षार्थी जो प्रथम वर्ष में प्रोन्नत कर दिए गए हैं, वह भी अंतिम वर्ष में अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें।

वर्ष: 01 अंक: 247
पृष्ठ : 4
प्रात:संस्करण
मूल्य : 01 रुपया
गुरूवार,19 अगस्त,2021

हिन्दी दैनिक
हर बात
प्रयागराज से प्रकाशित

प्रयागराज गुरूवार, 19 अगस्त 2021

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल- कुलपति

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमका, नईदिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया। जिसमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को

अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं प्रोफेसर एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, बुधवार , 19 अगस्त 2021 विक्रम संवत 2076 प्रात: संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल- कुलपति

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को

ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमका, नईदिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।

जिसमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री मानस रंजन पाणिग्रही, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं प्रोफेसर एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज,गुरूवार 19 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल. कुलपति

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया :सेमकाद्ध के साथ विभिनन मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमकाए नईदिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिनन बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।

जिसमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैंपेसिटी बिल्डिंगए वर्कशॉप का आयोजनए ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिनन कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिनन प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज :प्रशिक्षण आधारित कोर्सद्ध को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिनन बिंदुओं पर चर्चा की।कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिनन देशों में भारत सहित बांग्लादेशए ब्रूनेईए मलेशियाए पाकिस्तानए सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उण्प्रण राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रहीए प्रोफेसर ओम गुप्ता,प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं प्रोफेसर एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 12 अंक : 139, प्रयागराज, गुरुवार 19 अगस्त 2021, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल : कुलपति

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमका, नई दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।

बैठक में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई।

मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को

डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रो.ओमजी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो पीके पांडे, प्रो सत्यपाल तिवारी एवं प्रो एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 07
अंक: 269
गुरुवार 19 अगस्त 2021
हिन्दी दैनिक
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
खबर वही जो सच हो...
www.voiceofallahabad.com

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटलः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिनन मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमका, नई दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिनन बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।

बैठक में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिनन कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई।

मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिनन प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रो.ओमजी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा

अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज प्रशिक्षण आधारित कोर्स को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिनन बिंदुओं पर चर्चा की।

मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिनन देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो पीके पांडे, प्रो सत्यपाल तिवारी एवं प्रो एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

सहजसत्ता

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

प्रयागराज(नि.सं.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया सेमका के साथ विभिनन मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेमका, नई दिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिनन बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया।बैठक में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक

सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिनन कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई। मुक्त विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिनन प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रो.ओमजी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज प्रशिक्षण आधारित कोर्स को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिनन बिंदुओं पर चर्चा की।मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिनन देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो पीके पांडे, प्रो सत्यपाल तिवारी एवं प्रो एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 27 | अंक : 288
प्रतापगढ़ | गुरूवार , 19 अगस्त-2021
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री होगी डिजिटल: कुलपति

सेमका से एमओयू करेगा मुक्त विश्वविद्यालय

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सेमका) के साथ विभिन्न मुद्दों पर सहयोग हेतु बुधवार को ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सेमका, नईदिल्ली की निदेशक प्रोफेसर मधु परहार ने सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण किया। जिसमें विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग, वर्कशॉप का आयोजन, ओईआर पॉलिसी में आवश्यक सुधार हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग तथा विभिन्न कार्यक्रमों में आईसीटी का प्रयोग आदि पर चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशित अध्ययन सामग्री को डिजिटल फॉर्म में रूपांतरित किए जाने तथा विश्वविद्यालय में स्थित ऑडियो विजुअल लैब को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किए जाने हेतु सेमका से परामर्श की अपेक्षा की। विश्वविद्यालय के सीका के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अपेक्षा अनुसार अशिक्षितों के लिए नान क्रेडिट कोर्सेज (प्रशिक्षण आधारित कोर्स) को बनाए जाने के लिए सेमका से सहयोग की अपेक्षा की। सीका के उप निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने शिक्षकों के लिए सेमका द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन सहित ओ ई आर के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।कामनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया ने एशिया के विभिन्न देशों में भारत सहित बांग्लादेश, ब्रूनेई, मलेशिया, पाकिस्तान, सिंगापुर में स्थित विशेषतया मुक्त विश्वविद्यालयों से एमओयू किया है। इसी कड़ी में उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के लिए आज इस बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सेमका के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी मानस रंजन पाणिग्रही, प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पी के पांडे, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं प्रोफेसर एस. कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज, शुक्रवार 20 अगस्त 2021- मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति : प्रो वैशम्पायन

प्रयागराज, १९ अगस्त । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति २०२० पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य २१वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। तभी यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। प्रोफेसर वैशम्पायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए।

जानकारी देते प्रो वैशम्पायन एवं कुलपति

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर प्रो वैशम्पायन एवं उनकी धर्मपत्नी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया।

प्रारम्भ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीके पांडे, प्रो एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

लोकमित्र

दैनिक · सच्चाई की जंग

प्रयागराज | शुक्रवार , 20 अगस्त 2021 · पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति: प्रोफेसर वैशंपायन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रोफेसर जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। प्रोफेसर वैशंपायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रोफेसर वैशंपायन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वैशंपायन का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वैशंपायन ने मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। प्रारंभ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर वैशंपायन का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

www.sahajsatta.in · facebook.com/sahajsatta.allahabad · शुक्रवार, 20 अगस्त, 2021

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीतिः प्रो वैशम्पायन

प्रयागराज(नि.सं.) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं है, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। तभी यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है।प्रोफेसर वैशम्पायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित

किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते है। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर प्रो वैशम्पायन एवं उनकी धर्मपतनी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया।प्रारम्भ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीके पांडे, प्रो एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

Voice Of Allahabad NEWS · हिन्दी दैनिक

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

खबर वही जो सच हो.

R.N.I No. UPHIN/2014/59094 · प्रयागराज · वर्ष : 07 · अंक : 270 · पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया · शुक्रवार 20 अगस्त 2021 · Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीतिः प्रो वैशम्पायन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं है, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। तभी यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है।

प्रोफेसर वैशम्पायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते है और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते है। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर प्रो वैशम्पायन एवं उनकी धर्मपतनी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। प्रारम्भ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम मेंप्रो ओमजी गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीके पांडे, प्रो एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, शुक्रवार, 20 अगस्त, 2021

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति : प्रोफेसर वैशंपायन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रोफेसर जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। समारोह की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रोफेसर वैशंपायन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वैशंपायन का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वैशंपायन ने मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े कई संस्मरण सुनाए।

हिन्दी दैनिक

हर बात

प्रयागराज से प्रकाशित

वर्ष : 01 अंक : 247 · पृष्ठ : 4 · प्रातःसंस्करण · मूल्य : 01 रुपया · शुक्रवार ,20 अगस्त, 2021

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति– प्रोफेसर वैशंपायन

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रोफेसर जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य

21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। प्रोफेसर वैशंपायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना ध ीरे–धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा ।यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रोफेसर वैशंपायन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वैशंपायन का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वैशंपायन ने मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। प्रारंभ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर वैशंपायन का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता,वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शुक्रवार , 20 अगस्त 2021 · विक्रम संवत 2076 · प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com · पृष्ठ : 08

21 वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीति- प्रोफेसर वैशंपायन

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रोफेसर जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमे आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। प्रोफेसर वैशंपायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे–धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके।

उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए।

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा ।यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रोफेसर वैशंपायन एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वैशंपायन का अंगवस्त्रम से स्वागत किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वैशंपायन ने मुक्त विश्वविद्यालय से जुडे कई संस्मरण सुनाए। प्रारंभ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर वैशंपायन का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता,वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

अमर चेतना

(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, शुक्रवार, 20 अगस्त 2021 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीतिः प्रो वैशम्पायन

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। तभी यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है।

प्रोफेसर वैशम्पायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है।

इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर प्रो वैशम्पायन एवं उनकी धर्मपत्नी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। प्रारम्भ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीके पांडे, प्रो एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
प्रयागराज | हिन्दुस्तान | 06

21वीं सदी के अनुरूप है नई शिक्षा नीतिः प्रो. वैशंपायन

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विवि में गुरुवार को नई शिक्षा नीति पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विवि, झांसी के वीसी प्रो.जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने किया। प्रो. सिंह ने प्रो. वैशंपायन एवं उनकी धर्मपत्नी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. एस कुमार आदि रहे।

अमर उजाला
अमर उजाला | प्रयागराज | युवा Youth

छात्र और शिक्षक के बीच बढ़ी खाई को पाटना होगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 पर बृहस्पतिवार को एक सेमिनार हुआ। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो.जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। इस अवसर पर कु लसचिव डॉ.अरुण कुमार गुप्ता, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल आदि उपस्थित रहे। संवाद

हिन्दी दैनिक
डेटा एक्सपर्ट न्यूज
वर्ष :06, अंक:86 प्रयागराज, शुक्रवार 20 अगस्त 2021 पृष्ठ : 8, मूल्य : 1 रुपया

इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप है नई शिक्षा नीतिः प्रो वैशम्पायन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं है, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। तभी यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है।

प्रोफेसर वैशम्पायन ने कहा कि इसकी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। उन्होंने कहा कि आज छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी बढ़ गई है। न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। शिक्षण कार्य एक पुरस्कार की तरह है। इसीलिए शिक्षकों को पढ़ाने में रुचि लेनी चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में नया बदलाव आएगा। यह जहां विद्यार्थियों के लिए अत्यंत रुचिकर होगी, वहीं शिक्षकों को भी नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस अवसर पर प्रो वैशम्पायन एवं उनकी धर्मपतनी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। प्रारम्भ में कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रो ओमजी गुप्ता, प्रो पीपी दुबे, प्रो आशुतोष गुप्ता, प्रो पीके पांडे, प्रो एस कुमार, डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ मीरा पाल, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ श्रुति, डॉ अनिल सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

प्रयागराज, शुक्रवार 20 अगस्त, 2021
दैनिक जागरण
www.jagran.com
युवा जागरण | दैनिक जागरण 4 | प्रयागराज, 20 अगस्त, 2021 | www.jagran.com

विचार | शिक्षा नीति लागू करने में जो समस्याएं हैं, उनका समाधान करते हुए हमें बढ़ना है आगे

नई शिक्षा नीति 21वीं सदी के अनुरूप: प्रो. वैशंपायन

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को नई शिक्षा नीति-2020 पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति प्रोफेसर जयंत विनायक वैशंपायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उसको लागू करने में जो समस्याएं हैं, उनका समाधान करते हुए हमें आगे बढ़ना है। यह नीति तभी अच्छी तरह से लागू हो सकती है।

प्रोफेसर वैशंपायन ने कहा कि प्रक्रिया ऐसी हो कि वर्तमान व्यवस्था को परिवर्तित किए बिना धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाया जाए। जिससे यह नीति सफलतापूर्वक लागू हो सके। आज न तो छात्र क्लास रूम में पढ़ना चाहते हैं और न ही शिक्षक पढ़ाना चाहते हैं। इस खाई को पाटना होगा। अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति से शिक्षा जगत में बदलाव आएगा। यह विद्यार्थियों के लिए रुचिकर होगी, तो शिक्षकों को नए अवसर मिलेंगे। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर प्रोफेसर वैशंपायन एवं उनकी पत्नी का अंगवस्त्रम से स्वागत किया। इस दौरान कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्त, प्रो. ओमजी गुप्त, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आशुतोष गुप्त, प्रो. पीके पांडेय, प्रो. एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जयंत विनायक वैशंपायन का स्वागत करतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह ● साभार : पीआरओ

****

Voice Of Allahabad NEWS · हिन्दी दैनिक · R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
प्रयागराज · वर्ष : 07 · अंक: 277 · पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया · शुक्रवार 27 अगस्त 2021
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik · www.voiceofallahabad.com

प्रदेश के दस शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को 8142 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा 2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक प्रदेश के दस शहरों में किया जाएगा। यह जानकारी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो पी.के पांडेय ने देते हुए बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में सम्पन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए कहा है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में चार परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यथिर्यों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

आनंदी मेल
(हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, 27 अगस्त 2021 · R.N.I No.UPHIN/2009/29300 · पृष्ठ: 8

मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

आनंदी मेल संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com
लखनऊ, शुक्रवार, 27 अगस्त, 2021

गोहरी में चला महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

जागरूकता कार्यक्रम में शामिल महिलाएं।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विवि द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डा मीरा पाल ने महिलाओं की पारंपरिक शिक्षा के साथ साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें। किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई कढ़ाई बुनाई तथा अन्य शिल्पकलाओं घरेलू कौशल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। डा पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। राजेश गौतम ने भी महिलाओं में शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक और शिक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड 19 महामारी से रोकथाम हेतु मास्क सैनिटाइजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया और प्रतिभागी महिलाओं तथा बच्चों को मास्क भी वितरित किए। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी के लिए प्रवेश विवरणिका प्रदान की गई। शिक्षा और स्वावलंबन के प्रतीक रूप में प्रतिभागियों तथा सदस्यों को कलम भेंट की गई। गोहरी ग्राम में आत्मनिर्भरता हेतु स्वरोजगार की दिशा में कुछ जागरूक महिलाएं अपने द्वारा बनाई गई सामग्री भी लेकर आई थी। जिसका महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए उनकी खरीदारी भी की। सहायक समन्वयक डा साधना श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है। जिससे हम अपनी झिझक दूर कर सकते हैं और अपनी बातों तथा अधिकारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

Voice Of Allahabad NEWS · हिन्दी दैनिक · R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
प्रयागराज · वर्ष : 07 · अंक: 277 · पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया · शुक्रवार 27 अगस्त 2021
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik · www.voiceofallahabad.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने गोहरी में चलाया महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। समन्वयक प्रो रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म, लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई, कढ़ाई, बुनाई तथा अन्य शिल्पकलाओं, घरेलू कौशल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। डॉ पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। राजेश गौतम ने भी महिलाओं में शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक और शिक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड-19 महामारी से रोकथाम हेतु मास्क, सैनिटाइजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया और प्रतिभागी महिलाओं तथा बच्चों को मास्क भी वितरित किए।

गोहरी ग्राम में आत्मनिर्भरता हेतु स्वरोजगार की दिशा में कुछ जागरूक महिलाएं अपने द्वारा बनाई गई सामग्री भी लेकर आई थी। जिसका महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए उनकी खरीदारी भी की। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे हम अपनी झिझक दूर कर सकते हैं और अपनी बातों तथा अधिकारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चमेला देवी, शिवपूजन, डॉ अतुल मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश कुमार गौतम आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत

मुक्त विवि ने गोहरी में चलाया महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज, २६ अगस्त । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। समन्वयक प्रो रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म, लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई, कढ़ाई, बुनाई तथा अन्य शिल्पकलाओं, घरेलू कौशल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। डॉ पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। राजेश गौतम ने भी महिलाओं में शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक और शिक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड-१९ महामारी से रोकथाम हेतु मास्क, सैनिटाइजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
प्रयागराज, शुक्रवार 27 अगस्त 2021

प्रदेश के दस शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा कल 8142 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज, २६ अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा २०२१ का आयोजन २८ अगस्त को प्रातः १० बजे से १ बजे तक प्रदेश के दस शहरों में किया जाएगा। यह जानकारी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो पी.के पांडेय ने देते हुए बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के १० शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में सम्पन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा में ८१४२ परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड-१९ गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए कहा है। प्रयागराज में १६०० से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में चार परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डी.पी सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 12 अंक : 148, प्रयागराज, शुक्रवार 27 अगस्त 2021, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया · सर्वेक्षा आधार

प्रदेश के दस शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को

8142 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा 2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक प्रदेश के दस शहरों में किया जाएगा।

यह जानकारी प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो पी.के पांडेय ने देते हुए बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में सम्पन्न कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए कहा है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे।

दैनिक · सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 27 | अंक : 296 · प्रयागराज | शुक्रवार , 27 अगस्त-2021 · पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
www.dailylokmitra.com

10 शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा कल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा- 2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा- 2021 के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडे ने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में संपन्न कराई जाएगी।प्रोफेसर पांडे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए आग्रह किया गया है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में 4 परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

वर्ष : 01 अंक : 260 · पृष्ठ : 4 · प्रातःसंस्करण · मूल्य : 01 रुपया
हिन्दी दैनिक
हर बात
शुक्रवार ,27 अगस्त, 2021 · प्रयागराज से प्रकाशित

शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा कल

हर बात संवाददाता

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा– 2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10रू00 बजे से 1रू00 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा– 2021 के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडे ने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में संपन्न कराई जाएगी। प्रोफेसर पांडे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड–19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए आग्रह किया गया है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में 4 परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं।

अमर चेतना

(हिन्दी दैनिक) (प्रातः कालीन संस्करण) फतेहपुर, शुक्रवार , 27 अगस्त 2021 E-Mail:- amarchetnaftp@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने गोहरी में चलाया महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। समन्वयक प्रो रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म, लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई, कढ़ाई, बुनाई तथा अन्य शिल्पकलाओं, घरेलू कौशल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। डॉ पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। राजेश गौतम ने भी महिलाओं में शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक और शिक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड-19 महामारी से रोकथाम हेतु मास्क, सैनिटाइजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया और प्रतिभागी महिलाओं तथा बच्चों को मास्क भी वितरित किए। गोहरी ग्राम में आत्मनिर्भरता हेतु स्वरोजगार की दिशा में कुछ जागरूक महिलाएं अपने द्वारा बनाई गई सामग्री भी लेकर आई थी। जिसका महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए उनकी खरीदारी भी की। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे हम अपनी झिझक दूर कर सकते हैं और अपनी बातों तथा अधिकारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चमेला देवी, शिवपूजन, डॉ अतुल मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश कुमार गौतम आदि उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

मुविवि ने चलाया महिला शिक्षा जागरूकता अभियान

महिलाओं को जागरूक करते हुए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें। डॉ पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय में ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। इस अभियान में ग्राम प्रधान चमेला देवी, शिवपूजन डॉ अतुल मिश्र डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश कुमार गौतम आदि उपस्थित रहे।

न्यायाधीश

समय से पहले 'समय' पर नजर

प्रयागराज ,शुक्रवार 27 अगस्त, 2021

मुक्त विश्वविद्यालय ने गोहरी में चलाया महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र ने गुरुवार को सोरांव विकासखंड स्थित विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गोहरी ग्राम में महिला शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ मे समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिलाओं एवं अन्य उपस्थित ग्रामीणों का स्वागत करते हुए महिला अध्ययन केंद्र की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। सह समन्वयक डॉ मीरा पाल ने महिलाओं की पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया। जिससे महिलाएं स्वरोजगार के द्वारा स्वावलंबी और सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से महिलाएं सूक्ष्म, लघु कुटीर उद्योगों जैसे सिलाई, कढ़ाई, बुनाई तथा अन्य शिल्पकलाओं, घरेलू कौशल आदि द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। डॉ पाल ने विश्वविद्यालय के कौशलपरक तथा रोजगार उन्मुख कार्यक्रमों के विषय मे ग्रामीण महिलाओं को मार्गदर्शन दिया। श्री राजेश गौतम ने भी महिलाओं मे शैक्षिक जागरूकता लाने के लिए उन्हें विविध प्रकार की जानकारियों से अवगत कराया। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक और शिक्षकों ने ग्रामीणों को कोविड-19 महामारी से रोकथाम हेतु मास्क, सैनिटाइजर इत्यादि के प्रयोग हेतु जागरूक किया और प्रतिभागी महिलाओं तथा बच्चों को मास्क भी वितरित किए। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी के लिए प्रवेश विवरणिका प्रदान की गई। शिक्षा और स्वावलंबन के प्रतीक रूप मे प्रतिभागियों तथा सदस्यों को कलम भेंट की गई। गोहरी ग्राम मे आत्मनिर्भरता हेतु स्वरोजगार की दिशा मे कुछ जागरूक महिलाएं अपने द्वारा बनाई गई सामग्री भी लेकर आई थी। जिसका महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों ने अवलोकन किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए उनकी खरीदारी भी की। सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे हम अपनी झिझक दूर कर सकते है और अपनी बातों तथा अधिकारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं मे विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चमेला देवी, शिवपूजन डॉ अतुल मिश्र डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा राजेश कुमार गौतम आदि उपस्थित रहे।

05:36

Bareilly city Main 27

Clip

मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड प्रवेश परीक्षा कल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की एबीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को सुबह दस से दोपहर एक बजे तक आयोजित की जाएगी। यह प्रवेश परीक्षा प्रदेश के दस 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज और वाराणसी में होगी।

बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा-2021 के संयोजक प्रोफेसर पीके पांडेय के अनुसार प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा निर्धारित केंद्रों पर कोविड-19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बृहस्पतिवार को प्रवेश परीक्षा समिति एवं कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक भी की।

प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए आग्रह किया गया है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा मे शामिल होंगे। ब्यूरो

दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, शुक्रवार , 27 अगस्त 2021 विकम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

10 शहरों में बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा कल

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा– 2021 का आयोजन 28 अगस्त को प्रातः 10रू00 बजे से 1रू00 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा– 2021 के संयोजक प्रोफेसर पी के पांडे ने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा प्रदेश के 10 शहरों आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज तथा वाराणसी में संपन्न कराई जाएगी।

प्रोफेसर पांडे ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8142 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएड एवं बीएड (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर कोविड–19 गाइडलाइन का अनुपालन कराते हुए आयोजित की जाएगी। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज प्रवेश परीक्षा समिति तथा कोर कमेटी के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कराने के लिए आग्रह किया गया है। प्रयागराज में 1600 से अधिक अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज में 4 परीक्षा केंद्र विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर एवं गंगा परिसर के अतिरिक्त राजकीय इंटर कॉलेज एवं भारत स्काउट एंड गाइड कॉलेज में बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

बी.एड. एवं बी.एड. की प्रवेश परीक्षा 28

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज बी०एड एवं बी०एड० (विशिष्ट शिक्षा) प्रवेश परीक्षा, दिनांक 28 अगस्त को दिग्विजय नाथ पी० जी० कालेज, गोरखपुर में आयोजित होगा। उक्त सूचना प्रवीण कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक, क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर ने दिया। उन्होने बताया कि बी०एड एवं बी०एड० (विशिष्ट शिक्षा) दोनो के अभ्यर्थी की परीक्षा पूर्वाह्न 10 .00 बजे से अपराह्न 01.00 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रात: 9 :00 बजे रिपोर्ट करना होगा। प्रवेश परीक्षा का आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी कोविड़ प्रोटोकाल गाइड लाइन अनुसार होगा। अभ्यर्थियों को मास्क और सेनेटाइजर के साथ परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना होगा।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

एक नजर

राजर्षि टंडन विवि की बीएड की प्रवेश परीक्षा कल

बरेली। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड और बीएड विशिष्ट की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को होगी। क्षेत्रीय समन्वयक डा . आरबी सिंह ने बताया कि बरेली कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक होगी। बरेली में बीएड में 278 और बीएड विशिष्ट में 39 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए छात्र क्षेत्रीय कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बीएड व बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को

मेरठ दर्पण–मेरठ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की बीएड व बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा 28 अगस्त को प्रात: 10 बजे होगी क्षेत्रीय कार्यालय मेरठ की समन्वयक डा पूनम गर्ग ने बताया कि मेरठ में स्थित आई एन पी जी कालिज, मेरठ को प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। सभी प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले अभ्यर्थी कोविड 19 के बचाव के नियमों का पालन करते हुए प्रवेश पत्र के साथ परीक्षा केन्द्र पर 8.30 बजे उपस्थित हो जाये जिससे समय से विधिवत परीक्षा करायी जा सके